वर्ष	उत्पादन (प्रत्येक 170 किलोग्राम की लाख गांठें	न्यूनतम समर्थन मूल्य (रुपये प्रति क्विंटल)	
		एफ. 414/ एच. 777 किस्म	एच-4 किस्म
1985-86	87.3	425	535
1986-87	70.1	430	540
1987-88	69.8 (अनंतिम)	440	550

तथापि, पिछले तीन वर्षों के दौरान किसानों द्वारा लिये जा रहे वास्तविक मूल्य न्यूनतम समर्थन मूल्यों से अधिक रहे हैं।

(ख) कपास सलाहकार बोर्ड के अनुसार, पिछले दो वर्षों के दौरान उत्पादन में कमी आ जाने के बावजूद कुल मिलाकर कपास की उपलब्धता आगे ले जाये गये भंडार की वजह से घरेलू आवश्यता की पूर्ति करने के लिये पर्याप्त थी।

(ग) आन्ध्र प्रदेश कपास संघ ने 1987 में निवेदन किया था कि कपास का उत्पादन पर्याप्त है और कपास की 10 लाख गांठ आयात करने के निर्णय को रद्द किया जाय ताकि उचित मूल्य प्राप्त करने हेतु किसानों की सहायता की जा सके। सरकार ने कपास की 10 लाख गांठों का आयात करने हेतु कोई निर्णय नहीं लिया है।

फसल बीमा योजना के अंतर्गत दावों के भुगतान

335. श्री मीर्जा इर्शादबेग : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान फसल बीमा योजना के अंतर्गत किसानों को राज्यवार कितनी धनराशि का भुगतान किया गया है तथा कितनी धनराशि बकाया है और भुगतान न किये जाने के क्या कारण हैं तथा उन्हें इस धनराशि का भुगतान कब तक कर दिये जाने की संभावना है; और

(ख) फसल बीमा योजना को कपास गन्ना तथा तमाम कृषि उत्पादनों तक विस्तार किये जाने के संबंध में सरकार की क्या योजना है?

कृषि मंत्रालय में कृषि और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (श्री श्याम लाल यादव) : (क) 1985-86, 1986-87 तथा 1987-88 के दौरान अदा किए गए दावों, बकाया दावों तथा उनके कारणों के ब्यौरे का राज्यवार विवरण संलग्न है। [**देखिए** परिशिष्ट अनुपत्र संख्या 16]

सरकार ने 1985-86 तथा 1986-87 के लिए सभी वैद्य दावों को पहले ही मंजूरी दे दी है। उपर्युक्त जांच के बाद शेष दावों का शीघ्र निपटान करने के लिए कार्यवाही शुरू की गई है।

(ख) इस समय बृहत फसल बीमा योजना के अंतर्गत कपास तथा गन्ना सहित अन्य किसी फसल को शामिल करने के संबंध में सरकार किसी प्रस्ताव पर विचार नहीं कर रही है।

Film Festival in Sofia

336. DR. YALAMANCHILI SIVAJI: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether Government propose to organise film festivals in Sofia; and

(b) if so, when and names of the Indian films likely to be shown being shown there?

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI H. K. L. BHAGAT).